VII
CIV

अध्याय - 7

प्रश्न 1 ब्रांड शब्द से आप क्या समझते हैं? विज्ञापन के लिए ब्रांड निर्मित करने के दो मुख्य कारण बताइए?

उत्तर:→ ब्रांड शब्द का अर्थ किसी उत्पाद पर किसी विशेष नाम या चिह्न की मुहर लगाना एक उत्पाद को बाजार में प्रचलित, अन्य उत्पादों से भिन्न दिखाने के लिए ऐसा किया जाता है।

विज्ञापन के लिए ब्रांड निर्मित करने के दो कारण निम्न लिखित हैं:—

(1) ग्राहक के मन-मस्तिष्क में वह नाम घर करले

(2) दुकानदार से वह उसी ब्रांड का नाम लेकर सामान माँगे।

प्रश्न 2: अपनी पसंद के दो छपे हुए विज्ञापन चुनिए। इन्हे देखकर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(क) मैंने TOP TASTE DAAL का विज्ञापन चुना इसमें ध्यान आकर्षित करने के लिए अंग्रेजी भाषा और अतिथियों का सत्कार करने जैसे चित्रो का उपयोग किया गया है।

Scanned with CamScanner

(2.) इन विज्ञापनों से अतिथियों का सत्कार TOP TASTE DALL से करने को बढ़ावा दिया जा रहा है।

(3.) मैंने show your child you care का विज्ञापन चुना। यह विज्ञापन माँ से संवाद कर रहा है कि यदि आप अपने बच्चों की देखभाल करती हैं तो इस साबुन को खरीदें यह विज्ञापन गरीब लोगों पर ध्यान नहीं दे रहा है।

(4) यदि हम विज्ञापित ब्रांड खरीदने में समर्थ नहीं होंगे तो हमको ग्लानी महसुस होगा।

प्रश्न 3. क्या आप ऐसे दो तरीके बता सकते हैं, जिनके द्वारा आप सोचते हैं कि विज्ञापन का प्रभाव लोकतंत्र में समानता के मुद्दे पर पड़ता है?

उत्तर:- विज्ञापन लोकतंत्र की मूल भावना समानता को बुरी तरह प्रभावित करते हैं ये अमीर गरीब में भेद पैदा करते हैं ये गरीब के सम्मान में भी एक प्रकार की कमी करते हैं उनके चेहरे विज्ञापनों में नहीं दिखाए जाते हैं उन्हे यह बात बुरा लगता है।

Scanned with CamScanner

उत्पाद :→ उत्पाद का तात्पर्य किसी चीज या सेवा से है, जिसे बाजार में बेचने के लिए बनाया गया हो।

उपभोक्ता :→ इसका अभिप्राय ऐसे व्यक्ति से है, जिनके लिए उत्पाद बनाया गया है और जो उत्पाद को खरीदने और उनका उपयोग करने के लिए धन देता है।

ब्रांड :→ इसका अर्थ उत्पाद के विशेष नाम या पहचान से है। इसका पहचान का निर्माण विज्ञापन प्रक्रिया द्वारा होता है।

प्रभावित करना :→ इसका अर्थ किसी के विश्वास या कार्य करने की प्रक्रिया को बदलने की शक्ति से है।

Scanned with CamScanner

(४)

अध्याय - 8.

1 प्रश्न :- एक फेरीवाला, किसी दुकानदार से कैसे भिन्न है?

उत्तर:- फेरीवाला अपनी वस्तुओं को घूम-घूम कर बेचता है जबकि दुकानदार एक स्थान पर स्थायी रूप से अपनी वस्तुओं को बेचता है। फेरीवाला के पास कम पूँजी होती है तो दुकानदार के पास अधिक पूँजी।

3 प्रश्न स्पष्ट कीजिए कि बाजारों की श्रृंखला कैसे बनती है? इससे किन उद्देश्यों की पूर्ति होती है।

उत्तर:- उत्पादक और उपभोक्ता के बीच जितने लोग आते हैं उन्हीं को मिलाकर बाजारों की श्रृंखला बनती है इससे लोगों के लिए एक जगह उत्पादित होने वाला सामान उपलब्ध हो जाता है जिससे हमारी आवश्यकता की पूर्ति होती है।

प्रश्न 4. सब लोगों को बाजार में किसी भी दुकान पर जाने का समान अधिकार है। क्या आपके विचार से महँगे उत्पादों की दुकानों के बारे में यह बात सत्य है? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए

Scanned with CamScanner

4 उत्तर सब लोगो को बाजार में किसी भी दुकान पर जाने का समान अधिकार है। हमारे विचार से महँगे उत्पादो की दुकानो के बारे में यह बात सत्य नही है क्योंकि बहुत से लोग गरीब है वे दुकान में जा तो सकते है लेकिन कोई वस्तु खरीद नही सकते है जिससे उनके मन में बुरा प्रभाव पड़ता है जैसे एक मोहन नाम का लड़का है वह मजदूरी कर 300 रुपया प्रतिदिन कमाता है उसके घर में पत्नी के अलावा तीन बच्चे तो क्या वह उस दुकान में जा सकता है नही क्योंकि उसकी आय कम है।

5 प्रश्न बाजार में जाए बिना भी खरीदना और बेचना हो सकता है। उदाहरण देकर इस कथन की व्याख्या कीजिए?

उत्तर:- यह सत्य है कि बाजार में जाए बिना भी खरीदना और बेचना हो सकता है आजकल इंटरनेट पर ऑर्डर दे दिए जाते है समान घर तक पहुँच जाता है।

Scanned with CamScanner

साप्ताहिक बाजार: → ऐसे बाजार जो किसी निश्चित स्थान पर सप्ताह में एक या दो बार लगाए जाते हैं उन्हे साप्ताहिक बाजार कहते हैं इन बाजारो में घरेलू समान की लगभग सभी चीजे बिकती है- जैसे - सब्जी, कपड़ा बर्तन आदि

मॉल: → यह चारो ओर से घिरा हुआ दुकानदारी का स्थान होता है। इसकी इमारत बहुत बड़ी होती है जिसमें कई मंजिले, दुकाने रेस्तराँ और कभी-कभी सिनेमा घर तक होते है इन दुकानो में प्राय: ब्रांडो वाले उत्पाद बिकते है।

थोक: → इसका अर्थ बहुत बड़ी मात्रा में खरीद बिक्री होता है जिनमे सब्जी फल, और फूल होते है इसे थोक बाजार कहते है।

Scanned with CamScanner

अध्याय - 9

प्रश्न 1 स्वप्ना ने अपनी रुई कुर्नूल के रुई-बाजार में न बेचकर व्यापारी को क्यों बेच दी ?

उत्तर फसल की बोनी शुरू करने के समय स्वप्ना ने व्यापारी से खेती करने के लिए बहुत ऊँची ब्याज दर पर कर्ज लिए थे। उस समय स्थानीय व्यापारी ने स्वप्ना से वादा करवा लिया था कि वह अपनी सारी रुई उसे ही बेचेगी जिसके कारण स्वप्ना ने अपनी रुई कुर्नूल के रुई-बाजार में न बेचकर व्यापारी को बेच दी।

प्रश्न 2.

उत्तर :→ वस्त्र निर्यातक कारखाने में 70 कामगार हैं उनमें से अधिकांशत: महिलाएँ हैं अधिकतर कामगार अस्थाई रूप से काम करते हैं कामगारों की मजदूरी उनके कौशल के अनुसार तय की जाती है काम करनेवालों में अधिकतम वेतन दर्जी को मिलता है जो लगभग 3,000 रुपया प्रतिमाह होता है स्त्रियों को न्यूनतम मजदूरी दी जाती है हम सोचते हैं कि मजदूरों के साथ न्याय नहीं होता है क्यों कि उन्हें मजदूरी कम दी जाती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3.

उत्तर :→ मैं चीनी के बारे में सोचता हूँ जिसे हम इस्तेमाल करते हैं। चीनी तैयार करने में एक बड़ी श्रृंखला लगी होती है। किसान अपने खेतों में स्वयं या मजदूरों की सहायता से गन्ना के बीज बोते हैं उसकी निकाई गोड़ाई और सिंचाई करते हैं। जब गन्ना तैयार हो जाता है तो उसे चीनी मिल में भेजते हैं मिल मालिक उन्हें गन्ना का मूल्य चुका देते हैं।

कारखाने में गन्ने की पेराई कर रस निकाला जाता है फिर अनेक प्रक्रम कर चीनी बनाई जाती है चीनी मीलों में हजारों मजदूर दिन रात काम करते हैं। चीनी तैयार होने पर बोरों में भरकर थोक बिक्रेताओं के हाथ बेचा जाता है। थोक बिक्रेता से खुदरा बिक्रेता चीनी ले जाते हैं खुदरा बिक्रेता से चीनी हम खरीद कर अपने घर ले जाते हैं और उसका उपयोग करते हैं।

प्रश्न 4.

उत्तर:- (1) (3) (9) (7) (5)

(8) (4) (6) (2)

Scanned with CamScanner

प्रश्न - 4.

(1) रुखाना व्यापारी को रुई बेचती है।

(2.) ग्राहक सुपरमार्केट में इन कमीजों को खरीदते हैं।

(3.) व्यापारी जिनिंग मिलों को रुई बेचते हैं।

(4) गार्मेंट निर्यातक, कमीजें बनाने के लिए व्यापारियों से कपड़ा खरीदते हैं।

(5) सूत के व्यापारी बुनकरो को सूत देते हैं।

(6) वस्त्र निर्यातक संयुक्त राज्य अमेरिका के व्यवसायी को कमीजें बेचता है।

(7) सूत कातने वाली मिलें, रुई खरीदती हैं और सूत के व्यापारी को सूत बेचती हैं

(8) बुनकर कपड़ा तैयार करके लाते हैं।

(9) जिनिंग मिले रुई को साफ करती हैं और उनके गट्ठर बनाती हैं।

Scanned with CamScanner

10

निर्यातक :→ वह व्यक्ति जो विदेशों में माल बेचता है।

आयातक :→ वह व्यक्ति जो विदेशों से माल खरीदता है

जिनिंग मिल :→ वह फैक्ट्री जहाँ रुई के गोलों से बीज अलग किए जाते हैं। यहाँ पर रुई को दबाकर गट्ठर भी बनाए जाते हैं, जो धागा बनाने के लिए भेज दिए जाते हैं

मुनाफा :- जो आमदनी हुई है, उसमें सारे खर्चों को घटा देने के बाद बचने वाली राशि मुनाफा कहलाती है।

Scanned with CamScanner

VII
CIV

अध्याय 10

समानता :→ हमारा देश 15 अगस्त 1947 ई० को आजाद हुआ और 26 जनवरी 1950 ई० को हमारा संविधान लागू हुआ। भारत का संविधान समानता का एक जीता हुआ दस्तावेज है। भारत का संविधान हर भारतीय नागरिक को समान दृष्टि से देखता है कानून की दृष्टि में किसी भी व्यक्ति के साथ उसकी जाति, लिंग, धर्म तथा उनके अमीर या गरीब होने के आधार पर कोई भेद भाव नहीं किया जा सकता है। देश के हर वयस्क नागरिक को चुनावों के दौरान समान रूप से मतदान करने का अधिकार है। इससे हमारे भीतर समानता का भाव विकसित होता है

समानता के लिए संघर्ष :→

हमारे देश में पहले से ही असमानता फैली हुई थी इससे व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुँचती है इसे दूर करने के लिए अनेक समाज सेवियों ने

Scanned with CamScanner

संघर्ष किये जिसमें महात्मा ज्योतिबा फूले, विवेकानन्द, राजा राममोहन राय स्वामी दयानन्द सरस्वती और महात्मा गाँधी महत्वपूर्ण है।

तवा मत्स्य संघ के संघर्ष :— तवा एक नदी है इस पर 1958 ई० में बाँध बनाने का निर्माण आरंभ हुआ और 1978 ई० में पूरा हुआ यहाँ के निवासी अपना सब कुछ खो बैठे। कुछ विस्थापितों ने बाँध के आस-पास रहकर थोड़ी बहुत खेती के अलावा मछली पकड़ने का व्यवसाय आरंभ किया। इससे उसकी आय कम होती थी। सरकार ने 1994 ई० में मछली पकड़ने का काम निजी ठेकेदारो को सौंप दिया। जिससे वहाँ के लोगो को अनेक कठिनाई उत्पन्न हुई वे गुंडे को बोलाकर गाँव वालो को धमकियाँ देने लगे तथा वहाँ से हटाने लगे। गाँव वाले हटने को तैयार नही थे। उन्होंने अपने अधिकारों की रक्षा के लिए संगठन बनाकर खड़े हुए उस संगठन का नाम 'तवा मत्स्य संघ' था। इस संगठन के सहारे अपना आन्दोलन आरंभ किये। अन्त में मध्य प्रदेश सरकार ने 1996 ई० में उन्हे मछली पकड़ने का अधिकार देने की अनुशंसा की इससे उनका जीवन सुखमय हुआ

Scanned with CamScanner

प्रश्न हमारे समाज में किन-किन आधारों पर असमानता उत्पन्न होती है?

उत्तर हमारे समाज में निम्नलिखित आधारों पर असमानता उत्पन्न होती है

(1) जाति :→ हमारे समाज में ऊँच जाति के लोग निम्न जाति के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते है

(2) लिंग :→ हमारे समाज में लिंग के आधार पर भी भेद-भाव किया जाता है। पुरुष स्त्री के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते है

(3) धर्म :→ धर्म के आधार पर भी हमारे समाज में भेद उत्पन्न होता एक धर्म के लोग दूसरे धर्म के लोगो के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते है

(4) धन :→ धन के आधार पर भी हमारे समाज में भेद होता है अमीर लोग गरीब लोगो के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते है।

Scanned with CamScanner

⑤ रंग :→ रंग के आधार पर भी हमारे समाज में भेद होता है. गोरे लोग काले लोगों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं।

⑥ शिक्षा :— शिक्षा के अधार पर भी हमारे समाज में भेद होता है। पढ़े लिखे लोग अनपढ़ के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करते हैं।

⑦ शक्ति :→ शक्ति के अधार पर भी हमारे समाज में भेद होता है शक्तिशाली व्यक्ति हमेशा कमजोर लोगों को हीन दृष्टि से देखता है तथा बल के आधार पर उसे सताता रहता है।

Scanned with CamScanner